

चालीसवें श्लोक का गुप्त इतिहास - संख्या चार

परीक्षा और विजय: पशु की प्रतिमा का निर्माण और बुद्धिमानों का मुद्रांकन

Jeff Pippenger

2024-09-23

भविष्यद्वाणी की वह रेखा, जो संयुक्त राज्य में पशु की छवि के निर्माण द्वारा प्रस्तुत परीक्षा को दर्शाती है, संविधान की रेखा का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन मार्गचिह्नों के साथ समानांतर चलती है। ये एक-दूसरे के समानांतर हैं और दूसरी रेखा को संबोधित करने वाली विशिष्ट जानकारी प्रदान करती हैं। यह कैसे होगा कि जो लोग पशु की छवि की परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे, वे तब उस ज्योति में चलने के लिए तैयार होंगे जो परमेश्वर के सिंहासन-कक्ष से निकलती है, उस उत्पीड़न के समय में जो संयुक्त राज्य में रविवार के कानून के साथ आरंभ होता है? पशु की छवि के निर्माण की परीक्षा में ऐसा क्या है जो बुद्धिमान कुँवारियों को ऐसे अनुभव में मुहरबंद कर देता है, जो उन्हें उस उत्पीड़न की अवधि से होकर मार्ग निकालने की सामर्थ्य देता है, जो रविवार के कानून के साथ आरंभ होती है, जब राष्ट्रीय धर्मत्याग के बाद राष्ट्रीय विनाश आता है, और शैतान अपने आश्चर्यकर्म आरंभ करता है?

"जब स्वर्गीय महिमा और अतीत के उत्पीड़नों की पुनरावृत्ति एक साथ मिल जाएँगे, तब पृथ्वी पर जीवित रहने वाले परमेश्वर के लोगों के अनुभव का कोई भी आभास देना असंभव होगा। वे परमेश्वर के सिंहासन से निकलने वाले प्रकाश में चलेंगे। स्वर्गदूतों के माध्यम से स्वर्ग और पृथ्वी के बीच निरंतर संचार बना रहेगा। और शैतान, दुष्ट स्वर्गदूतों से घिरा हुआ और स्वयं को परमेश्वर बताता हुआ, हर प्रकार के चमत्कार करेगा, ताकि यदि संभव हो तो यहाँ तक कि चुने हुए लोगों तक को धोखा दे।" टेस्टिमोनीज़, खंड 9, 16.

बहन वाइट उस संदेश पर टिप्पणी करती हैं जो मसीह ने कफरनहूम के आराधनालय में प्रस्तुत किया था, जिसका वर्णन यूहन्ना के छठे अध्याय में मिलता है। उनकी टिप्पणियाँ The Desire of Ages में, 'The Crisis in Galilee' नामक अध्याय में हैं। वहाँ वह इस बात पर जोर देती हैं कि यूहन्ना 6 में जो विद्रोह हुआ, उसे रोकने का मसीह ने कोई प्रयास नहीं किया, यद्यपि उन्हें भली-भांति मालूम था कि मनुष्यों के बीच अपनी सेवकाई में किसी भी अन्य समय की अपेक्षा वे उस समय अधिक शिष्यों को खो देंगे।

जब यीशु ने वह परखने वाला सत्य प्रस्तुत किया, जिससे उसके बहुत से चेले पीछे हट गए, तब वह जानता था कि उसके शब्दों का परिणाम क्या होगा; परंतु उसके पास पूरा करने के लिए दया का एक उद्देश्य था। उसने पहले से देख लिया था कि परीक्षा की घड़ी में उसके प्रत्येक प्रिय चेले की कड़ी परीक्षा होगी। गथसमनी में उसकी पीड़ा, उसका विश्वासघात और क्रूस पर चढ़ाया जाना—यह सब उनके लिए अत्यंत कठिन परीक्षा होने वाला था। यदि पहले से कोई परीक्षा न दी गई होती, तो बहुत से ऐसे लोग, जो केवल स्वार्थी उद्देश्यों से प्रेरित थे, उनके साथ जुड़े रह जाते। जब न्याय-सभा में उनके प्रभु को दोषी ठहराया गया; जब वही भीड़ जिसने उसे अपना राजा मानकर जयजयकार की थी, उसे हूट करने लगी और उसे अपमानित करने लगी; जब ठट्ठा करती भीड़ चिल्लाई, 'उसे क्रूस पर चढ़ाओ!'—जब उनकी सांसारिक महत्वाकांक्षाएँ टूट गईं, तब इन स्वार्थ-साधकों ने, यीशु के प्रति अपनी निष्ठा का त्याग करके, अपनी सबसे प्रिय आशाओं के विनाश से उत्पन्न शोक और निराशा के अतिरिक्त, चेलों पर एक कड़वा, हृदय-भारक दुःख भी डाल दिया होता। उस अंधकार की घड़ी में, जो उससे मुड़ गए थे, उनका उदाहरण दूसरों को भी अपने साथ बहा ले जा सकता था। परंतु यीशु ने यह संकट उस समय ला खड़ा किया, जब अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति से वह अभी भी अपने सच्चे अनुयायियों के विश्वास को दृढ़ कर सकता था।

"करुणामय उद्धारकर्ता, जिसे अपने ऊपर आने वाली विपत्ति का पूर्ण ज्ञान था, उसने शिष्यों के लिए स्नेहपूर्वक मार्ग सुगम किया, उन्हें उनकी परम परीक्षा के लिए तैयार किया, और उन्हें अंतिम परीक्षा के लिए सामर्थ्य दी!" युगों की आकांक्षा, 394.

रविवार का क्रानून वह अंतिम परीक्षा है जिसमें चरित्र प्रकट होता है। अंतिम परीक्षा से पहले मसीह, जो कभी नहीं बदलते, एक ऐसी परीक्षा की अनुमति देते हैं जिसके द्वारा उनके लोगों की अनन्त नियति का निर्णय किया जाएगा। यह वह परीक्षा है जिसे उन्हें मुहर लगाए जाने से पहले, और रविवार के क्रानून के समय उनका अनुग्रह-काल समाप्त होने से पहले, अवश्य उत्तीर्ण करना होगा। यह एक भविष्यसूचक परीक्षा है जो बुद्धिमान कुँवारियों को "उनकी मुकुट प्रदान करने वाली परीक्षा के लिए तैयार करती है, और उन्हें अंतिम परीक्षा के लिए सशक्त बनाती है!" उनकी "मुकुट प्रदान करने वाली परीक्षा" ही उनकी मुकुट प्रदान करने वाली परख है, क्योंकि बुद्धिमान कुँवारियाँ वे हैं जो "शुद्ध, उज्ज्वल और परखी गई" हैं। अंतिम परीक्षा ही उनकी मुकुट प्रदान करने वाली परीक्षा है, और उस परख के समय में, बुद्धिमान कुँवारियाँ "उस ज्योति में चलेंगी जो परमेश्वर के सिंहासन से निकलती है"। उस परीक्षण-प्रक्रिया में, जिसे "पशु की मूर्ति का निर्माण" के रूप में दर्शाया गया है, ऐसा क्या है जो बुद्धिमान कुँवारियों को मुकुट प्रदान करने वाली परीक्षा के लिए तैयार करता है और उन्हें परमेश्वर के सिंहासन से निकलने वाली ज्योति में चलने देता है। परमेश्वर के सिंहासन से निकलने वाली ज्योति क्या है?

और जब उसने सातवीं मुहर खोली, तो स्वर्ग में लगभग आधे घंटे तक मौन रहा। और मैंने उन सात स्वर्गदूतों को देखा जो परमेश्वर के सामने खड़े थे; और उन्हें सात तुरहियां दी गईं। और एक और स्वर्गदूत आया और वेदी के पास खड़ा हो गया, उसके पास एक स्वर्ण धूपदान था; और उसे बहुत धूप दी गई, ताकि वह उसे सब पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं के साथ सिंहासन के सामने वाली स्वर्णिम वेदी पर चढ़ाए। और धूप का धुआँ, जो पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं के साथ था, स्वर्गदूत के हाथ से परमेश्वर के सामने ऊपर उठा। और स्वर्गदूत ने धूपदान लिया, उसे वेदी की आग से भर दिया, और उसे पृथ्वी पर फेंक दिया: और आवाज़ें, और गरजें, और बिजली की चमकें, और भूकम्प हुआ। प्रकाशितवाक्य 8:1-5.

अंतिम दिनों में, उस काल में जब दस कुँवारियों का दृष्टान्त पूरा हो रहा है और एक लाख चवालीस हज़ार पर मुहर लगाई जा रही है, सातवीं मुहर खुलती है, और यह इंगित करती है कि संतों की प्रार्थनाओं के उत्तर में पृथ्वी पर आग डाली जाती है। दस कुँवारियों के दृष्टान्त की अंतिम और पूर्ण पूर्ति में जो आग नीचे डाली जाती है, वह आधी रात की पुकार का संदेश है—जैसा कि एक्सेटर कैंप मीटिंग में पवित्र आत्मा के उंडेले जाने द्वारा और पेंटेकोस्ट में पवित्र आत्मा के उंडेले जाने द्वारा प्रतीकित किया गया था, जहाँ उसे आग के रूप में दर्शाया गया था। आधी रात की पुकार के संदेश पर सिस्टर वाइट की टिप्पणी पर ध्यान दें।

जिन्होंने पहला संदेश अस्वीकार किया, वे दूसरे से लाभान्वित नहीं हो सके; और न ही वे मध्यरात्रि की पुकार से लाभान्वित हुए, जिसका उद्देश्य उन्हें विश्वास के द्वारा यीशु के साथ स्वर्गीय पवित्रस्थान के परम पवित्र स्थान में प्रवेश करने के लिए तैयार करना था। और पहले दो संदेशों को अस्वीकार करके उन्होंने अपनी समझ को इतना अंधकारमय कर दिया है कि वे तीसरे स्वर्गदूत के संदेश में, जो परम पवित्र स्थान में जाने का मार्ग दिखाता है, कोई प्रकाश नहीं देख पाते। मैंने देखा कि जैसे यहूदियों ने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, वैसे ही नाममात्र की कलीसियाओं ने इन संदेशों को क्रूस पर चढ़ा दिया है; और इसलिए उन्हें परम पवित्र स्थान में प्रवेश के मार्ग का ज्ञान नहीं है, और वहाँ यीशु की मध्यस्थता से वे लाभान्वित नहीं हो सकते। जैसे यहूदी, जो अपने व्यर्थ बलिदान चढ़ाते थे, वैसे ही वे उस कक्ष में अपनी व्यर्थ प्रार्थनाएँ चढ़ाते हैं जिसे यीशु छोड़ चुके हैं; और शैतान, इस छल से प्रसन्न होकर, धार्मिक रूप धारण कर लेता है और अपनी शक्ति, अपने चिन्हों और मिथ्या आश्चर्यों के द्वारा कार्य करते हुए, इन कहलाने वाले मसीहियों के मनों को अपनी ओर ले जाता है, ताकि उन्हें अपने फंदे में जकड़ ले। प्रारंभिक लेखन, 259-261.

मिलराइट इतिहास में आधी रात की पुकार के संदेश की परीक्षा 'उन्हें विश्वास से यीशु के साथ स्वर्गीय पवित्रस्थान के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश करने के लिए तैयार करना' थी। जो आधी रात की पुकार का संदेश अब विकसित हो रहा है, उसे पशु की प्रतिमा के निर्माण की परीक्षा के रूप में भी दर्शाया गया है। वे दोनों ऐसी परीक्षाएँ हैं जो अनुग्रह-काल के समापन की ओर ले जाती हैं, जहाँ चरित्र प्रकट होता है। जब मिलराइटों ने विश्वास से परम-पवित्र स्थान में प्रवेश किया, तो उनके विश्वास की फिर से परीक्षा हुई। एक लाख चवालीस हज़ार का विश्वास रविवार के क्रानून के समय

परखा जाएगा, पर उन्हें यह वादा है कि वे सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि वे 'सातवीं मुहर से प्रवाहित होने वाले प्रकाश में' चलेंगे, जो तब खोली गई जब आधी रात की पुकार का संदेश जुलाई 2023 में खोला जाने लगा।

उस समय जो संदेश खोला गया था, वह 'रेखा पर रेखा' की कार्य-पद्धति के माध्यम से स्थापित होता है, जो 'अंतिम वर्षा' की कार्य-पद्धति है। अंतिम वर्षा 2001 में फुहार के रूप में आरम्भ हुई, और एडवेंटवाद की अंतिम परीक्षा आरम्भ हुई। जुलाई 2023 में उस परीक्षात्मक प्रक्रिया की अंतिम अवधि शुरू हुई जो 'रविवार के कानून' पर समाप्त होती है, जब 'आधी रात की पुकार' का संदेश—जो 'अंतिम वर्षा' भी है, जो 'सातवीं मुहर' के खुलने पर उत्पन्न होने वाली ज्ञान-वृद्धि भी है, और जो 'सात गर्जनाओं' का मुहर-खुलना तथा 'यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य' भी है—आरम्भ हुआ। वे सभी रेखाएँ जो भविष्यवाणी के प्रकाश के खुलने का प्रतिनिधित्व करती हैं, दानिय्येल अध्याय ग्यारह के पद चालीस के गुप्त इतिहास में खुली हुई के रूप में पहचानी जाती हैं।

उस छिपे हुए इतिहास में संविधान के तीन मुख्य मार्गचिह्नों की रेखा प्रस्तुत है। यह वह रेखा है जब कलीसिया और राज्य मिलकर पशु की छवि का निर्माण करते हैं। इसमें एक भविष्यवाणी-संबंधी रेखा है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों को संबोधित करती है, और जो धरती के पशु के गणतांत्रिक सींग के इतिहास में होने वाले राजनीतिक संघर्षों की गतिशीलता को दर्शाती है। उस रेखा में संयुक्त राज्य अमेरिका की दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के समांतर इतिहास शामिल हैं। वह रेखा 1844 में आरंभ से लेकर रविवार कानून के समय, जब धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद का सींग नागरिक सरकार के नियंत्रण पर कब्ज़ा कर लेता है, तब तक उससे घनिष्ठ रूप से संबंधित है।

धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद की भविष्यसूचक भूमिका में हस्मोनियन वंश की गवाही भी शामिल है, जो धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के एक प्रतीक के रूप में है। धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के सींग की रेखा की पृष्ठभूमि में लाओदीकियाई सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया की रेखा भी है। लाओदीकियाई एडवेंटवाद की रेखा से एक लाख चवालीस हजार की रेखा निकलती है। उस छिपे हुए इतिहास में तीसरी विपत्ति के इस्लाम की रेखा भी है। रूस की एक रेखा है, संयुक्त राष्ट्र की एक रेखा है और बेशक, पापाई सत्ता की भी एक रेखा है।

यदि भविष्यवाणी का एक छात्र, अंतिम दिनों में जीने वाले एक बेरेअन के रूप में स्वयं को समर्पित करता है, तो वह चालीसवें पद के छिपे हुए इतिहास में पहचानी गई पंक्तियों से अपना पोषण करेगा। भविष्यवाणी का छात्र स्वर्गदूत के हाथ से पुस्तक लेगा और उसे खा लेगा। फिर जब रविवार के कानून की अंतिम परीक्षा आएगी, तब वह न केवल आधी रात की पुकार के उस संदेश को, जिसकी मुहर खोली गई थी, समझ चुका होगा, बल्कि वह पूरी तरह समझेगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा कैसे गठित हुई थी।

सातवीं मुहर की ज्योति सिंहासन से निकलती है, और दस कुँवारियों के दृष्टान्त के सन्दर्भ में यह आधी रात की पुकार का संदेश है। आधी रात की पुकार का संदेश ही बुद्धिमान कुँवारियों को उस काल के लिए तैयार करता है जब अतीत के उत्पीड़न फिर दोहराए जाते हैं।

"अपने अतीत के इतिहास की समीक्षा करते हुए, अपनी वर्तमान स्थिति तक पहुँचने के मार्ग में उन्नति के प्रत्येक कदम से होकर गुजरते हुए, मैं कहूँ: 'परमेश्वर की स्तुति हो!' परमेश्वर ने जो किया है, उसे देखकर मुझे अचंभा होता है और नेता के रूप में मसीह पर मेरा विश्वास दृढ़ हो जाता है। हमें भविष्य के लिए किसी भी बात से भय करने की आवश्यकता नहीं है, सिवाय इसके कि हम यह भूल जाएँ कि प्रभु ने हमें किस प्रकार मार्ग दिखाया है, और हमारे अतीत के इतिहास में उसकी शिक्षा को।" धर्मसेवकों के लिए गवाहियाँ, 31.

प्रभु अपने लोगों का नेतृत्व उस परीक्षण प्रक्रिया में कर रहे हैं जो जुलाई 2023 में शुरू हुई थी। उनके मार्गदर्शन में पद चालीस के छिपे इतिहास के संदर्भ में भविष्यवाणी के वचन का उद्घाटन भी शामिल था। वह इतिहास यह दर्शाता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा कैसे गठित होती है, और निस्संदेह यह अंत-समय की घटनाओं के केवल उसी पहलू से कहीं अधिक को भी उजागर करता है। जब हम रविवार के कानून के समय परम परीक्षा में स्वयं को पाते हैं, जब अतीत के उत्पीड़न फिर से दोहराए जाने लगते हैं, तब हम "भविष्य के लिए किसी बात से डरने की

कोई आवश्यकता नहीं है, सिवाय इसके कि हम यह भूल जाएँ कि प्रभु ने हमें किस प्रकार मार्गदर्शन किया है, और हमारे अतीत के इतिहास में उसकी शिक्षाएँ क्या रही हैं।"

रविवार के कानून के समय, संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा के गठन की अवधि में, 'भूतकाल का इतिहास' दोहराया जाएगा। यहूदा के गोत्र का सिंह ने अंतिम संदेश की मुहर खोल दी है और अपने लोगों को पद चालीस के छिपे हुए इतिहास की ओर ले गया है। वहाँ उसने अपने लोगों को यह सिखाया कि वे केवल उसके भविष्यवाणी वचन को समझें ही नहीं, बल्कि उस विशेषाधिकार और जिम्मेदारी को भी स्वीकार करें कि ऐसा अनुभव प्राप्त करें जिसके द्वारा वे उसके उन लोगों में शामिल होने के योग्य ठहरें जो अंतिम संकट में उसके प्रतिनिधि बनने वाले थे।

उन लोगों की भविष्यसूचक विशेषताओं में से एक यह है कि वे सिंहासन से निकलने वाले प्रकाश के अनुसार चलना जानते हैं। वह प्रकाश पद चालीस के गुप्त इतिहास का प्रकाश है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की मूर्त की स्थापना में शामिल धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिशीलताओं का अत्यंत बारीकी से वर्णन करता है। इस पवित्र इतिहास से संबंधित जो प्रकाश पहचाना जाता है, वह रेखा पर रेखा—यहाँ थोड़ा, वहाँ थोड़ा—का अनुप्रयोग करके उत्पन्न होता है, और यही प्रकाश उस इतिहास का वर्णन करता है जब अतीत के उत्पीड़न फिर से आरंभ होते हैं।

जो लोग ज्ञान की वृद्धि को समझते हैं, वही बुद्धिमान हैं, और ज्ञान की वृद्धि पशु की मूर्ति के निर्माण से संबंधित है; और बुद्धिमान लोग उस इतिहास के आने से पहले ही संसार में पशु की मूर्ति के निर्माण के इतिहास को समझ लेंगे। यीशु, अल्फा और ओमेगा के रूप में, हमेशा किसी बात के अंत को उसकी शुरुआत के द्वारा दर्शाते हैं।

यह ध्यान देने योग्य है कि वह अंश, जिसमें बहन व्हाइट यह बताती हैं कि परमेश्वर की प्रजा सिंहासन से निकलने वाले प्रकाश में चलेगी, 'टेस्टिमोनीज़' खंड नौ के प्रथम अध्याय का निष्कर्ष है। अध्याय पृष्ठ 11 से शुरू होता है, इसलिए अध्याय 9-11 पर शुरू होता है, और यह रविवार के कानून का वर्णन करते हुए समाप्त होता है। यह उस काल का वर्णन करता है जब पशु की प्रतिमा बनती है और एक लाख चवालीस हजार प्रकट होते हैं, परन्तु केवल तब, जब आपके पास उस अध्याय को इस प्रकार देखने का विश्वास हो।

खंड नौ का पहला अनुभाग होने के नाते, यह उसी उल्लेख के साथ आरंभ होता है और 'राजा के आगमन के लिए' शीर्षक का प्रयोग करता है। यह स्पष्ट रूप से न केवल मसीह के दूसरे आगमन, बल्कि दस कुँवारियों के दृष्टान्त का भी संदर्भ देता है, क्योंकि अनुभाग का शीर्षक आगे चलकर पौलुस को उद्धृत करता है।

अनुभाग 1-राजा के आगमन हेतु

'अभी थोड़ी ही देर में, जो आने वाला है, वह आएगा और देर न करेगा।' इब्रानियों 10:37.

निम्नलिखित दो श्लोक छोड़ दिए गए हैं, लेकिन वे इस अंश के प्रकाश में योगदान देते हैं।

क्योंकि थोड़ी ही देर में आनेवाला आएगा और देर न करेगा। अब धर्म विश्वास से जीवित रहेगा; पर यदि वह पीछे हटे तो मेरा मन उससे प्रसन्न न होगा। पर हम उन लोगों में से नहीं हैं जो पीछे हटकर विनाश की ओर जाते हैं; परन्तु उन में से हैं जो आत्मा के उद्धार के लिए विश्वास करते हैं। इब्रानियों 10:37-39.

पौलुस हबक्कूक का संदर्भ दे रहा था, जहाँ विश्वासयोग्य बुद्धिमान कुँवारियों का उन लोगों के साथ विपरीत ठहराया गया है जिनके बारे में पौलुस कहता है कि वे "नाश के लिये पीछे हटते हैं"। हबक्कूक ने इसे इस प्रकार कहा:

देखो, जिसका मन घमण्ड से फूल गया है, वह उसके भीतर सीधा नहीं है; परन्तु धर्म अपने विश्वास से जीवित रहेगा। हबक्कूक 2:4.

हबक्कूक का विलंब काल वही विलंब काल है जो दस कुँवारियों का है, और आने वाले राजा का अध्याय, इब्रानियों में पौलुस के वचनों के संदर्भ में, इस अध्याय की पूर्ण पूर्ति और अनुप्रयोग को एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी

की अवधि में चिन्हित करता है। वह अवधि 11 सितंबर, 2001 को शुरू हुई और रविवार के कानून पर समाप्त होती है, जो लाओदिकिया-संबंधी एडवेंटिज़्म का अंतिम संकट है, और जो दस कुँवारियों के दृष्टान्त में रविवार के कानून पर चरित्र की अभिव्यक्ति है। अध्याय के अंतिम अनुच्छेद रविवार के कानून पर चर्चा करते हैं, और अध्याय की शुरुआत 11 सितंबर, 2001 पर चर्चा से होती है।

अंतिम संकट

हम अंतकाल में जी रहे हैं। समय के तेजी से पूर्ण हो रहे संकेत यह घोषणा करते हैं कि मसीह का आगमन निकट ही है। जिन दिनों में हम जी रहे हैं, वे गंभीर और महत्वपूर्ण हैं। परमेश्वर का आत्मा धीरे-धीरे परन्तु निश्चित रूप से पृथ्वी से हटा लिया जा रहा है। परमेश्वर के अनुग्रह का तिरस्कार करने वालों पर महामारियाँ और दण्ड पहले ही आ रहे हैं। स्थल और समुद्र की आपदाएँ, समाज की अस्थिरता, युद्ध की आहटें—ये सब अशुभसूचक हैं। वे अत्यन्त बड़ी घटनाओं के निकट आने का संकेत देते हैं।

बुराई की शक्तियाँ अपनी ताकतें मिलाकर संगठित और समेकित हो रही हैं। वे अंतिम महान संकट के लिए अपनी शक्ति बढ़ा रही हैं। हमारी दुनिया में शीघ्र ही बड़े परिवर्तन होने वाले हैं, और अंतिम घटनाएँ बहुत तेजी से घटित होंगी।

दुनिया के हालात बताते हैं कि उथल-पुथल का समय हम पर आ चुका है। दैनिक अखबार निकट भविष्य में एक भयानक संघर्ष के संकेतों से भरे पड़े हैं। दुस्साहसी लूट की घटनाएँ अक्सर हो रही हैं। हड़तालें आम हो गई हैं। हर तरफ चोरी और हत्याएँ हो रही हैं। शैतानी आत्माओं से ग्रस्त लोग पुरुषों, स्त्रियों और छोटे बच्चों की जान ले रहे हैं। लोग दुर्व्यसनों में लिप्त हो गए हैं, और हर तरह की बुराई का बोलबाला है।

शत्रु न्याय को विकृत करने में और मनुष्यों के हृदयों को स्वार्थलाभ की इच्छा से भर देने में सफल हो गया है। 'न्याय दूर खड़ा है; क्योंकि सत्य सड़क पर गिर पड़ा है, और न्यायप्रियता भीतर प्रवेश नहीं कर सकती।' यशायाह 59:14। बड़े नगरों में असंख्य लोग गरीबी और दयनीयता में जी रहे हैं, भोजन, आश्रय और वस्त्र से लगभग सर्वथा वंचित; जबकि उन्हीं नगरों में ऐसे भी हैं जिनके पास हृदय की इच्छा से भी बढ़कर है, जो ऐशोआराम से रहते हैं, अपना धन सुसज्जित घरों, व्यक्तिगत साज-सज्जा पर, और इससे भी बढ़कर, इंद्रिय-सुखों की तृप्ति पर—मद्य, तंबाकू, और अन्य ऐसी वस्तुओं पर—खर्च करते हैं, जो मस्तिष्क की शक्तियों को नष्ट करती हैं, मन को असंतुलित कर देती हैं, और आत्मा का पतन करती हैं। भूखी मानवता की पुकारें परमेश्वर के सम्मुख उठ रही हैं, और इसी बीच हर प्रकार के अत्याचार, शोषण और उगाही द्वारा लोग अपार धन-संपदा का अंबार लगा रहे हैं।

एक अवसर पर, जब मैं न्यूयॉर्क शहर में था, रात्रि के समय मुझे आकाश की ओर मंज़िल पर मंज़िल उठती इमारतें देखने के लिए बुलाया गया। इन इमारतों के अग्निरोधी होने की गारंटी दी गई थी, और उन्हें उनके मालिकों और निर्माताओं की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए खड़ा किया गया था। ये इमारतें ऊँची और उससे भी ऊँची उठती गईं, और उनमें सबसे महँगी सामग्री का उपयोग किया गया। जिनके ये भवन थे, वे अपने आप से यह नहीं पूछ रहे थे: 'हम परमेश्वर की महिमा सर्वोत्तम रूप से कैसे करें?' प्रभु उनके विचारों में नहीं था।

"मैंने सोचा: 'हाय, काश जो लोग इस प्रकार अपने साधनों का निवेश कर रहे हैं, वे अपने मार्ग को कैसे देख पाते जैसे परमेश्वर उसे देखते हैं! वे भव्य इमारतें खड़ी कर रहे हैं, पर ब्रह्मांड के शासक की दृष्टि में उनके मनसूबे और योजनाएँ कितनी मूर्खतापूर्ण हैं। वे हृदय और मन की सारी शक्तियों से यह नहीं विचार कर रहे कि वे परमेश्वर की महिमा कैसे कर सकते हैं। वे इस बात को, जो मनुष्य का प्रथम कर्तव्य है, भुला चुके हैं।'"

जब ये ऊँची-ऊँची इमारतें खड़ी हो रही थीं, तो मालिक महत्वाकांक्षी गर्व के साथ इस बात पर आनंदित थे कि उनके पास इतना धन है कि उसे अपने स्वार्थ की तृप्ति में और अपने पड़ोसियों में ईर्ष्या भड़काने में खर्च कर सकें। जिस धन को उन्होंने इस प्रकार लगा दिया, उसका बहुत-सा भाग ज़बरदस्ती की वसूली से, गरीबों को पिसाकर प्राप्त किया गया था। वे यह भूल गए कि स्वर्ग में हर व्यापारिक लेन-देन का लेखा रखा जाता है; हर अन्यायी सौदा, हर धोखाधड़ी वहाँ दर्ज होती है। समय आ रहा है जब अपने छल और उदंडता में मनुष्य ऐसी

सीमा तक पहुँचेंगे जिसे प्रभु उन्हें पार करने नहीं देंगे, और वे जानेंगे कि यहोवा की सहनशीलता की भी एक सीमा है।

मेरे सामने जो अगला दृश्य आया, वह आग लगने की चेतावनी का था। लोगों ने ऊँची और कथित रूप से अग्निरोधक इमारतों को देखा और कहा: 'ये पूरी तरह सुरक्षित हैं।' लेकिन ये इमारतें ऐसे भस्म हो गईं मानो वे डामर से बनी हों। दमकल इंजन विनाश को रोकने के लिए कुछ न कर सके। दमकलकर्मी इंजनों को संचालित करने में असमर्थ थे।

मुझे यह बताया गया है कि जब प्रभु का समय आएगा, यदि घमंडी और महत्वाकांक्षी मनुष्यों के हृदयों में कोई परिवर्तन न हुआ हो, तो लोग पाएँगे कि जो हाथ बचाने में बलवान था, वही नाश करने में भी बलवान होगा। परमेश्वर के हाथ को कोई सांसारिक शक्ति रोक नहीं सकती। इमारतों के निर्माण में ऐसी कोई सामग्री उपयोग नहीं की जा सकती जो, परमेश्वर के निर्धारित समय पर, जब वह अपने नियम की अवहेलना और उनकी स्वार्थी महत्वाकांक्षा के कारण मनुष्यों को दंड देगा, उन इमारतों को विनाश से बचा सके।

शिक्षाविदों और राजनेताओं में भी ऐसे बहुत कम हैं जो समाज की वर्तमान स्थिति के अंतर्निहित कारणों को समझते हैं। जो शासन की बागडोर संभाले हुए हैं, वे नैतिक पतन, गरीबी, दरिद्रता और बढ़ते अपराध जैसी समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहे हैं। वे व्यावसायिक गतिविधियों को अधिक सुरक्षित आधार पर स्थापित करने के लिए व्यर्थ ही संघर्ष कर रहे हैं। यदि लोग परमेश्वर के वचन की शिक्षा पर अधिक ध्यान दें, तो उन्हें उन समस्याओं का समाधान मिल जाता जो उन्हें उलझाती हैं।

पवित्र शास्त्र मसीह के दूसरे आगमन से ठीक पहले संसार की स्थिति का वर्णन करता है। जो लोग लूट और उगाही के द्वारा बड़ी संपत्ति इकट्ठी कर रहे हैं, उनके विषय में लिखा है: 'तुमने अंतिम दिनों के लिए धन एकत्र कर रखा है। देखो, तुम्हारे खेतों की कटनी करने वाले मजदूरों की वह मजदूरी, जिसे तुमने धोखे से रोक रखा है, पुकार रही है; और कटनी करने वालों की पुकार सेनाओं के प्रभु के कानों तक पहुँच गई है। तुमने पृथ्वी पर ऐश किया और उच्छृंखल बने रहे; तुमने अपने हृदयों को वध के दिन के लिए मोटा किया है। तुमने धर्म को दोषी ठहराया और मार डाला; और वह तुम्हारा विरोध नहीं करता।' याकूब 5:3-6.

परन्तु समय के तेजी से पूरी होते जा रहे संकेतों द्वारा दी गई चेतावनियाँ कौन पढ़ता है? सांसारिक लोगों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है? उनके रवैये में क्या परिवर्तन दिखाई देता है? उतना ही, जितना नूहकालीन संसार के निवासियों के रवैये में देखा गया था—उससे अधिक नहीं। सांसारिक व्यवसाय और सुख-विलास में डूबे हुए, प्रलय-पूर्व के लोग "जब तक जलप्रलय आया और उन सबको बहाकर ले गया, तब तक जानते ही न थे।" मत्ती 24:39। उन्हें स्वर्ग से भेजी गई चेतावनियाँ मिली थीं, पर उन्होंने सुनना नहीं चाहा। और आज भी संसार, परमेश्वर की चेतावनी-भरी वाणी की बिलकुल परवाह किए बिना, शाश्वत विनाश की ओर तेजी से बढ़ा चला जा रहा है।

समूचा संसार युद्ध की भावना से उद्वेलित है। दानियेल के ग्यारहवें अध्याय की भविष्यवाणी लगभग अपनी पूर्ण पूर्ति तक पहुँच गई है। शीघ्र ही भविष्यवाणियों में वर्णित संकट के दृश्य घटित होंगे।

"देखो, प्रभु पृथ्वी को खाली कर देता है, और उसे उजाड़ देता है, और उसे उलट-पुलट कर देता है, और उसके निवासियों को चारों ओर तितर-बितर कर देता है.... क्योंकि उन्होंने व्यवस्थाओं का उल्लंघन किया, विधि-विधान बदल दिया, सनातन वाचा को तोड़ दिया। इसलिए शाप ने पृथ्वी को निगल लिया है, और जो उसमें बसते हैं वे उजाड़ हो गए हैं.... डफ की हर्षध्वनि थम जाती है, आनंद करनेवालों का शोर समाप्त हो जाता है, वीणा का आनंद थम जाता है।' यशायाह 24:1-8."

"हाय उस दिन के लिए! क्योंकि प्रभु का दिन निकट है, और वह सर्वशक्तिमान की ओर से विनाश के समान आ जाएगा.... बीज मिट्टी के ढेलों के नीचे सड़ गया है, कोठार उजाड़ पड़े हैं, भंडार-गृह ढह गए हैं, क्योंकि अन्न सूख गया है। पशु कैसे कराहते हैं! गाय-बैलों के झुंड हैरान हैं, क्योंकि उनके पास चरागाह नहीं है; हाँ, भेड़ों के झुंड उजाड़ हो गए हैं।' 'दाखलता सूख गई है, और अंजीर का वृक्ष कुम्हला रहा है; अनार का वृक्ष, खजूर का वृक्ष भी,

और सेब का वृक्ष, यहाँ तक कि मैदान के सब पेड़ सूख गए हैं: क्योंकि मनुष्यों के पुत्रों से हर्ष सूख गया है।' योएल 1:15-18, 12."

'मैं अपने हृदय के भीतर ही भीतर व्यथित हूँ; ... मैं चुप नहीं रह सकता, क्योंकि, हे मेरे प्राण, तू ने नरसिंगे की ध्वनि और युद्ध का शोर सुन लिया है। विनाश पर विनाश पुकारा जाता है; क्योंकि सारा देश उजाड़ हो गया है।' यिर्मयाह 4:19, 20.

'मैंने पृथ्वी को देखा, और देखो, वह निराकार और सुनसान थी; और आकाश को, और उसमें कोई प्रकाश नहीं था। मैंने पर्वतों को देखा, और देखो, वे काँप रहे थे, और सब पहाड़ियाँ हल्की-सी हिल रही थीं। मैंने देखा, और देखो, वहाँ कोई मनुष्य न था, और आकाश के सब पक्षी उड़ गए थे। मैंने देखा, और देखो, उपजाऊ स्थान उजाड़ प्रदेश बन गया था, और उसकी सब नगरियाँ ढह गई थीं।' पद 23-26.

"हाय! क्योंकि वह दिन महान है, ऐसा कि उसके समान कोई नहीं: यह तो याकूब के क्लेश का समय है; परन्तु वह उसमें से उद्धार पाएगा।" यिर्मयाह 30:7.'

इस संसार में सभी ने परमेश्वर के विरुद्ध शत्रु का साथ नहीं दिया है। सभी निष्ठाहीन नहीं हो गए हैं। कुछ विश्वासयोग्य लोग हैं जो परमेश्वर के प्रति सच्चे हैं; क्योंकि यूहन्ना लिखता है: 'यहाँ वे हैं जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं, और यीशु के विश्वास को बनाए रखते हैं।' प्रकाशितवाक्य 14:12। शीघ्र ही परमेश्वर की सेवा करने वालों और उसकी सेवा न करने वालों के बीच भीषण संघर्ष छिड़ेगा। शीघ्र ही जो कुछ हिलाया जा सकता है वह हिलाया जाएगा, ताकि जो चीज़ें हिलाई नहीं जा सकतीं वे बनी रहें।

शैतान एक लगनशील बाइबल-अध्येता है। वह जानता है कि उसका समय थोड़ा रह गया है, और वह पृथ्वी पर प्रभु के कार्य को हर बिंदु पर निष्फल करने का प्रयत्न करता है। जब स्वर्गीय महिमा अतीत के सतावों की पुनरावृत्ति के साथ मिल जाएगी, तब पृथ्वी पर जीवित रहने वाले परमेश्वर के लोगों के अनुभव का कोई भी अंदाज़ा देना असंभव होगा। वे परमेश्वर के सिंहासन से निकलने वाले प्रकाश में चलेंगे। स्वर्गदूतों के द्वारा स्वर्ग और पृथ्वी के बीच निरंतर संपर्क बना रहेगा। और शैतान, दुष्ट स्वर्गदूतों से घिरा हुआ, और स्वयं को परमेश्वर बताकर, हर प्रकार के चमत्कार करेगा, ताकि, यदि संभव हो, तो स्वयं चुने हुए लोगों को भी धोखा दे। परमेश्वर के लोग चमत्कार करने में अपनी सुरक्षा नहीं पाएंगे, क्योंकि जो चमत्कार किए जाएंगे, उनकी नकल शैतान करेगा। परमेश्वर के परखे और कसौटी पर खरे उतरे लोग अपनी शक्ति उस चिन्ह में पाएंगे जिसका उल्लेख निर्गमन 31:12-18 में है। उन्हें जीवित वचन पर दृढ़ रहना है: 'लिखा है।' यही वह एकमात्र नींव है जिस पर वे सुरक्षित खड़े रह सकते हैं। जिन्होंने परमेश्वर के साथ अपनी वाचा तोड़ी है वे उस दिन परमेश्वर-विहीन और आशाहीन होंगे।

परमेश्वर के उपासक चौथी आज्ञा के प्रति अपने आदर से विशेष रूप से पहचाने जाएंगे, क्योंकि यही परमेश्वर की सृजनात्मक शक्ति का चिह्न है और मनुष्य की श्रद्धा व आदर पर उसके अधिकार का साक्षी है। दुष्ट इस बात से पहचाने जाएंगे कि वे सृष्टिकर्ता के स्मृति-चिह्न को नष्ट करने और रोम की संस्था को ऊँचा उठाने का प्रयत्न करेंगे। इस संघर्ष के परिणामस्वरूप सारा मसीही संसार दो बड़ी श्रेणियों में बँट जाएगा: एक, वे जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु के विश्वास को धारण करते हैं; और दूसरे, वे जो पशु और उसकी छवि की उपासना करते हैं और उसका चिह्न स्वीकार करते हैं। यद्यपि कलीसिया और राज्य अपनी शक्ति मिलाकर सबको—'छोटे और बड़े, धनी और निर्धन, स्वतंत्र और दास'—पशु का चिह्न ग्रहण करने के लिए बाध्य करेंगे, तौभी परमेश्वर के लोग उसे ग्रहण नहीं करेंगे। प्रकाशितवाक्य 13:16। पत्मोस का भविष्यद्वक्ता देखता है कि 'जो पशु पर, और उसकी छवि पर, और उसके चिह्न पर, और उसके नाम की संख्या पर जय पा चुके थे, वे काँच के समुद्र पर खड़े हैं और उनके पास परमेश्वर की वीणाएं हैं,' और वे मूसा और मेम्ने का गीत गा रहे हैं। प्रकाशितवाक्य 15:2।

"परमेश्वर के लोगों के सामने भयावह परीक्षाएँ और संकट प्रतीक्षारत हैं। युद्ध की भावना पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक राष्ट्रों को भड़का रही है। परन्तु जो संकट का समय आने वाला है—ऐसा संकट का समय, जैसा कि जब से राष्ट्र रहे हैं तब से कभी नहीं हुआ—उसके बीच भी परमेश्वर के चुने हुए लोग अडिग खड़े रहेंगे। शैतान और

उसकी सेना उन्हें नष्ट नहीं कर पाएँगे, क्योंकि सामर्थ में प्रबल स्वर्गदूत उनकी रक्षा करेंगे।" Testimonies, खंड 9, 11-17.

एक लाख चवालीस हजार, जो "परमेश्वर के परखे और आजमाए हुए लोग" तथा उसके "चुने हुए लोग" हैं, "अडिग खड़े रहेंगे" जब "अतीत के उत्पीड़न" दोहराए जाएंगे। जिस प्रकाश में वे "चलेंगे", वह सातवीं मुहर के संदेश का प्रकाश है, जो आधी रात की पुकार है, जो पशु की प्रतिमा के गठन की पहचान कराता है।